IIMA PRESS RELEASE 2014-15

Institute to follow a three-pronged approach: Connect, Nurture, and Grow

IIMA, June 6, 2014: Prof. Ashish Nanda, Director, IIMA interacted with media persons today at IIMA's Louis Kahn Campus jointly with the top management at the Institute comprising the three Deans - Prof. Ajay Pandey, Dean, Programmes, Prof. G Raghuram, Dean, Faculty, and Prof. Arvind Sahay, Dean, Alumni and External Relations, Prof Sebastian Morris who is a member of the Executive Education Committee at IIMA and Cdr. Manoj Bhatt, Chief Administrative Officer also interacted with the media.

Acknowledging that the future holds tremendous promise for the Institute, Prof Ashish Nanda affirmed the vision at the Institute: to educate leaders of enterprises, who make a difference to their organizations and to the world around them. He expressed that, in the Institute's endeavor, to move forward, it draws upon reserves of goodwill among the diaspora of its alumni, its reputation among recruiters and potential students, and the commitment of the faculty and staff of the Institute. "To realize our vision, the Institute is following a three-pronged approach: Connect, Nurture, and Grow."

"The Institute aims to CONNECT proactively with the worlds of practice and policy, with academic work nationally and globally, with our alumni, and with the local community. We wish to NURTURE a high performance work environment by emphasizing and supporting a climate of autonomy, stretch, and team work. We aim to GROW, but in a thoughtful and strategic manner, so as to have an impact commensurate with our ambitions, while ensuring that we maintain and upgrade the quality of our people and our experience."

"These three strategic priorities - *connect, nurture, and grow* – therefore, are at the core of our effort to be a premier global institute of management that educates leaders of enterprises."

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2014-15

संस्थान तीन-आयामी दृष्टिकोण अपनायेगा : संबंध जोडना, पोषण करना, और आगे बढ़ना

आईआईएमए, 6 जून, 2014 : आज आईआईएमए के लूई काहन प्लाज़ा में आईआईएमए के निदेशक प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, ने संयुक्त रूप से संस्थान के तीन प्रबंधन डीन - प्रोफ़ेसर अजय पांडेय, डीन, कार्यक्रम; प्रोफ़ेसर जी. रघुराम, डीन, संकाय; तथा प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, डीन, पूर्वछात्र एवं बाह्य संपर्क; तथा आईआईएमए की कार्यकारी शिक्षा समिति के सदस्य प्रोफ़ेसर सेबास्तियन मोरिस एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कमांडर मनोज भट्ट के साथ मिलकर मीडिया को संबोधित किया।

प्रोफ़ेसर आशीष नंदा ने संस्थान के लिए जबरदस्त वादा धारणा को स्वीकारते हुए, संगठन को और पूरे विश्व को प्रभावित करने वाले उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने की संस्थान की दूरदृष्टि की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि, संस्थान के प्रयास में, आगे बढ़ने के लिए, प्रवासी पूर्वछात्रों के बीच सद्भावना को संजोकर रखा है, नियोक्ताओं एवं संभावित छात्रों के बीच अपनी प्रतिष्ठा को संभालकर रखा है, और संस्थान के संकायों एवं कार्मिकों की प्रतिबद्धता को बनाये रखा है। "हमारे दूरदृष्टि का एहसास करने के लिए, संस्थान तीन-आयामी दृष्टिकोण अपना रहा है : संबंध जोड़ना, पोषण करना और आगे बढ़ना।"

संस्थान हमारे पूर्वछात्रों तथा स्थानीय समुदाय के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक कार्यों के लिए, व्यवहार और नीति की दुनिया से लगातार जुड़ता रहा है। हम स्वायत्तता, विस्तार, एवं टीम कार्य पर जोर देते हुए और समर्थन से उच्च कार्यप्रदर्शन के माहौल का पोषण करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य विकास करना है, लेकिन विचारपूर्ण एवं सामरिक तरीके से, ताकि हमारी महत्त्वाकांक्षाओं के अनुरूप प्रभाव हो सके, साथ-साथ हमारे कर्मचारियों एवं अनुभवों को बनाये रखें और गुणवत्ता का संवर्धन कर सकें।"

"इसीलिए, इन तीन सामरिक प्राथमिकताओं - संबंध जोड़ना, पोषण करना, और आगे बढ़ना - के द्वारा उद्यमों के अग्रणियों को प्रबंधन में श्रेष्ठ वैश्विक प्रबंधन प्रदान करते हुए विकास करना हमारे प्रयासों के मूल में हैं।"